राष्ट्रीय रासायनिक प्रयोगशाला में हिन्दी सप्ताह समारोह का आयोजन

राष्ट्रीय रासायनिक प्रयोगशाला, पुणे में दि. 8 सितम्बर से 14 सितम्बर, 2005 की अवधि में **हिन्दी सप्ताह समारोह** का आयोजन किया गया । इस दौरान प्रयोगशाला के स्टाफ हेतु चार प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं । समारोह के पहले दिन 8.9.2005 को शब्दज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें लगभग 25 कर्मचारियों ने भाग लिया । दिनांक 9.9.2005 को हिन्दी निबन्ध प्रतियोगिता आयोजित की गई । इस प्रतियोगिता में स्टाफ के 12 सदस्यों ने भाग लिया। तत्पश्चात दिनांक 12.9.2005 को हिन्दी वाक् प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें लगभग 10 कर्मचारियों ने भाग लिया । अन्त में दि. 13.9.2005 को सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसमें कुल 22 कर्मचारियों ने भाग लिया । उसी दिन अर्थात दि. 13.9.2005 को अपराह्न 3.00 बजे प्रयोगशाला की राजभाषा कार्यान्वयन समिति की तिमाही बैठक सम्पन्न हुई ।

हिन्दी दिवस के अवसर पर दि. 14.9.2005 को अपराह्न 3.00 बजे **हिन्दी सप्ताह समापन समारोह** का आयोजन किया गया । समारोह का प्रारंभ सरस्वती वन्दना से हुआ । इस अवसर पर बहुभाषाविद् एवं मूर्धन्य विद्वान तथा पुणे विश्वविद्यालय में संत नामदेव अध्यासन पीठ के संस्थापक एवं विभागाध्यक्ष प्रो अशोक कामत मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे । उन्होंने प्रयोगशाला की वार्षिक राजभाषा पत्रिका, **एनसीएल आलोक** का लोकार्पण किया । अपने सम्बोधन में प्रो. कामत ने हिन्दी भाषा को बहुत ही सहज एवं सरल बताते हुए उसकी वैज्ञानिकता पर प्रकाश डाला । उन्होंने कहा कि हमारी भाषाएँ हमारे सर्वांगीण विकास में सहायक होती हैं । भाषा के माध्यम से ही हम अपनी संस्कृति, सभ्यता और संस्कारों को अक्षुण्ण रख सकते हैं । उन्होंने इस सन्दर्भ में फादर कामिल बुल्के का भी दृष्टान्त दिया कि किस तरह उन्होंने तुलसीदास जी की केवल दो पंक्तियों को पढ़कर अपने जीवन की दिशा बदल दी । प्रो. कामत ने कर्मचारियों विशेष रूप से वैज्ञानिकों का आह्वान किया कि वे अपने दैनंदिन कामकाज के अलावा शोधकार्यों में राजभाषा हिन्दी का प्रयोग करना शुरू करें ताकि आम जनता के साथ उन्हीं की भाषा में संवाद या सम्पर्क स्थापित किया जा सके ।

इस अवसर पर प्रयोगशाला के उपनिदेशक, डॉ. भास्कर कुलकर्णी ने अपने अध्यक्षीय भाषण में हिन्दी के प्रति गहन समर्पण भाव प्रदर्शित करते हुए कहा कि हिन्दी एक अतीव वैज्ञानिक भाषा है । इसके शब्दों के अर्थ और उनकी व्युत्पत्ति में भी वैज्ञानिकता के दर्शन होते हैं । ‘‘सम ‘‘ शब्द के अर्थ का निरूपण करते हुए उन्होंने कहा कि यह जीवन के प्रत्येक क्षेत्र और प्रत्येक स्थिति में संतुलन बनाए रखने का प्रतीक है । डॉ. कुलकर्णी ने हिन्दी के उत्तरोत्तर प्रयोग पर बल दिया और कहा कि हमें अपने दैनंदिन कामकाज में राजभाषा को अपनाकर राष्ट्रीय अस्मिता की रक्षा करनी होगी । इस समारोह में हिन्दी सप्ताह के उपलक्ष्य में आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को मुख्य अतिथि ने पुरस्कार प्रदान किए । प्रयोगशाला के प्रशासन नियंत्रक, श्री एम.एस. वैद्यनाथन ने धन्यवाद ज्ञापन किया । इसके पूर्व प्रयोगशाला के वरिष्ठ हिन्दी अधिकारी, डॉ. रमाशंकर व्यास ने सभी का स्वागत करते हुए हिन्दी सप्ताह समारोह की भूमिका को रेखांकित करते हुए हिन्दी सहित सभी भारतीय भाषाओं की अपरिहार्यता एवं महत्त्व पर प्रकाश डाला । समारोह का संचालन हिन्दी अधिकारी, श्री उमेश गुप्ता ने किया ।